1. परिच्छेद

प्रतिवर्ष जून से सितम्बर के चार महीनों के दौरान होने वाले मानसूनी प्रवाहों के अत्यधिक विषम, ऋतुनिष्ठ एवं स्थानिक वितरण के उपयोग के कई अवसरों को। खोया जा चुका है। चूंकि इन कुछ महीनों में ही अधिकांश वृष्टि होती है एवं परिणामतः स्वच्छ जल उपलब्ध होता है, जलाशयों में वर्षा के जल के संचयन की आवश्यकता और बाद में वर्ष-भर उपयोग हेतु छोड़ना, एक ऐसी अनिवार्यता है, जिसकी कोई उपेक्षा नहीं कर सकता। जलवायु परिवर्तन मौसम की स्थितियों को सदा प्रभावित करता रहेगा और जल की अल्पता तथा इसके आधिक्य को उत्पन्न करेगा। जहाँ लाखों लोग सूखे एवं बाढ़ से पीड़ित होते हैं, वहीं देश की कई नदियों में पानी अप्रयुक्त बहता रहता है और प्रत्येक वर्ष समुद्र में बह जाता है।

1. उपरोक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा भारत की दृष्टि से सर्वाधिक तर्कसंगत एवं व्यावहारिक निहितार्थ हो सकता है?
   1. नदियों के अन्तःसम्बन्धन को प्रारम्भ किया जाना चाहिए।
   2. जल के यथोचित वितरण के लिए पूरे देश में बाँधों एवं नहरों के नेटवर्क का निर्माण किया जाना चाहिए।
   3. कृषकों को बोरवेल की खुदाई के लिए सुलभ ऋण दिया जाना चाहिए।
   4. कृषि में जल के प्रयोग को कानूनी रूप से नियन्त्रित किया जाना चाहिए।
   5. केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नदियों के जल के वितरण को नियन्त्रित किया जाना चाहिए।

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
)a) 1 और 2 (b) 2,4 और 5
   (c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 5

2. परिच्छेद

जब शिक्षा से मिलने वाले लाभ का उपयोग करने की आर्थिक स्वतन्त्रता प्राप्त होगी, तभी लोग शिक्षा में निवेश करेंगे। इस प्रत्यक्ष कारण की वजह से आर्थिक स्वतन्त्रता के स्तर में वृद्धि के साथ ही शिक्षा से प्राप्त होने वाला लाभ भी बढ़ जाता है। निम्न कर दरों के कारण जब लोगों को शिक्षा के प्रत्येक बढ़ते स्तर से प्राप्त बढ़ी हुई आय के अधिकांश भाग को अपने पास रखने की अनुमति होती है, तब शिक्षा में निवेश एक अच्छी सूझ-बूझ की बात होती है। दूसरी ओर जब सरकार शिक्षित व्यक्तियों की बढ़ी हुई आय पर और ऊँची दरों पर कर लगाने का निर्णय लेती है, तब स्वयं को अधिक शिक्षित करने में निवेश करना समझदारी की बात नहीं लगती। यही प्रोत्साहन उन अभिभावकों पर भी लागू होता है, जिन्हें यह निर्णय लेना है कि वे अपने बच्चों की शिक्षा पर निवेश करें या नहीं।

2. उपरोक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं:
   1. किसी देश में निम्न कर दर निरपवाद रूप से उच्च शिक्षा में अधिक निवेश के लिए परिणत हो जाती हैं।
   2. बच्चों की शिक्षा में निवेश उनकी आर्थिक स्वतन्त्रता को सुनिश्चित करता है।
   3. आर्थिक स्वतन्त्रता का मानव पूँजी निर्माण पर सकारात्मक प्रभाव होता है।

   उपरोक्त में से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

1. Passage

Many opportunities to harness the highly skewed, seasonal and spatial distribution of monsoon flows, which occur in a four-month period from June to September annually, have been lost. Since these few months account for most of the rainfall and consequent freshwater availability, the need for, holding rainwater in reservoirs, for subsequently releasing it for use over the year, is a necessity nobody can afford to overlook. Climate change will continue to affect weather conditions and create water shortages and excesses. While millions suffer from droughts and floods, waters in the country's many rivers flow unutilized, and are discharged into the sea every year.

1. With reference to the above passage, which of the following could be the most rational and practical implications for India?
   1. Inter-linking of rivers should be undertaken.
   2. A network of dams and canals should be built across the country for proper distribution of water.
   3. Farmers should be provided easy loans for digging bore wells.
   4. Usage or water for agriculture should be regulated by law.
   5. Distribution of river water among regions should be regulated by the Union Government.

   Select the correct answer using the code given below.
   (a) 1 and 2 (b) 2, 4 and 5
   (c) 1, 3 and 4 (d) 2, 3 and 5

2. Passage

People will invest in education whenever they are granted the economic freedom to fully enjoy benefits Again, this is for the obvious reason that the return on education increases as the level of economic freedom rises. When people, thanks to lower tax rates, are allowed to retain of the higher income that they gain from incremental level of education, it makes sense to invest in education. On the other hand, when the government decides to tax the higher income of educated individuals at even higher rates, it makes very little sense to invest in educating oneself further. The same incentives apply to parents who decide on whether.

2. With reference to the above passage, the following assumptions have been made:
   1. Lower tax rates in a country invariably translate into greater investments in higher education.
   2. Investment in the education of children ensures their economic freedom.
   3. Economic freedom has a positive impact on building up human capital.

   Which of the above assumptions is/are valid?
   (a) 1 only (b) 2 only
   (c) 3 only (d) 1, 2 and 3

3. परिच्छेद

जब तक वित्तीयन तन्त्र स्थापित न हो जाए तब तक हमारे शहरी निकाय सम्भवतः हमारे शहरों में जलापूर्ति की धारणीय व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर सकते। जलापूर्ति के लिए प्राकृतिक स्रोतों से जल संचित करने, उसे पीने-योग्य बनाने की अभिक्रिया तथा उपभोक्ताओं तक उसकी आपूर्ति करने के लिए पाइपों के जल-वितरण नेटवर्क बिछाने में भारी निवेश की आवश्यकता होती है। उसमें मल-प्रबन्धन अधःसंरचना एवं मल-जल अभिक्रिया संयन्त्रों में भी निवेश की आवश्यकता होती है जिससे मल-प्रणाल अपशिष्ट जल को इन संयन्त्रों तक ले जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि असंसाधित मल-जल प्राकृतिक जल निकायों में बिल्कुल ही नहीं छोड़ा जाए। यदि हमारे शहर इतने समृद्ध होते कि वो पूरी लागत को वहन कर सकते, तो जल की निःशुल्क पूर्ति की जा सकती है। वे ऐसे नहीं हैं।

3. परिच्छेद द्वारा सम्प्रेषित सर्वाधिक तार्किक और निर्णायक सन्देश क्या है?

(a) शहरी स्थानीय निकायों को उपभोक्ता शुल्कों के माध्यम से लागत वसूलनी चाहिए

(b) शहरी स्थानीय निकाय हमारे शहरों की जल आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त रूप से दक्ष नहीं है

(c) हमारे शहरों में जल का अभाव एक चिरस्थायी समस्या है, जिसका समाधान सम्भव नहीं है

(d) हमारे शहरों में जल-संकट की दृष्टि से यह बहुत आवश्यक है कि शहरों में जनसंख्या का एक अधिकतम आकार निर्धारित कर शहरों की जनसंख्या को सीमित किया जाए

3. Passage

Our urban bodies cannot possibly ensure sustainable delivery of water in our cities unless financing mechanisms are put in place. Water delivery requires heavy investment in collecting it from a natural source, treating it to make it potable, and laying a distribution network of pipes for delivery to the users. It also requires investments in sewerage infrastructure and sewage treatment plants so that the sewers can carry the wastewater to these plants to ensure that no untreated sewage is discharged back into natural water bodies. If our cities were rich enough to meet the entire cost, water could be delivered free. They are not.

3. What is the most logical and crucial message conveyed by the passage?

(a) Urban local bodies must recover costs through user charges.

(b) Urban local bodies are not efficient enough to meet the water requirements of our cities.

(c) Water shortage in our cities is a perennial problem that cannot be solved.

(d) In view of the water crisis in our cities, there is an urgent need to limit the population of cities by adopting an upper limit of population size.

4. परिच्छेद

भारत में, पिछले दशक अथवा उसके आस-पास, श्रमिक कृषि से हट रहे हैं, परन्तु वे केवल निर्माण तथा गैर-पंजीकृत विनिर्माण, जो कि स्पष्टत :बेहतर रोजगार अवसर नहीं है, में जा रहे हैं। सेवाएँ, जहाँ श्रम की प्रवृत्ति अधिक उत्पादनकारी होती हैं, अतिरिक्त रोजगार अवसर उत्पन्न नहीं कर रही हैं, जिनकी देश को आवश्यकता है। भारत को अगले दशक में लगभग 24 मिलियन नौकरियों की आवश्यकता होगी। नया सेक्टर, ई-व्यापार, रोजगार के अन्तर को अधिक-से-अधिक आधा ही भर पाएगा। केवल वे सेक्टर, जो घरेलू माँग को बढ़ावा देते हैं, जैसे स्वास्थ्य तथा शिक्षा, शेष आधे भाग को सुगमतापूर्वक भर सकते हैं।

4. परिच्छेद में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण निहितार्थ है?

(a) ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में श्रमिकों का प्रवसन कम करने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है।

(b) निर्माण तथा गैर-पंजीकृत विनिर्माण में कार्य करने की स्थितियों में सुधार लाना चाहिए

(c) सेवा सेक्टर बेरोजगारी की समस्या को कम करता रहा है

(d) बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सामाजिक क्षेत्र में खर्च का बढ़ना आवश्यक है

4. Passage

In India, over the last decade or so, labour has been departing agriculture, but is only going to construction and unregistered manufacturing which are not markedly better jobs. Services, where labour tends to be most productive, are not generating the additional jobs the country needs. India will need 24 million or so jobs over the next decade. The new sector, e-commerce, can at best close only half the jobs gap. Only those sectors that drive domestic demand such as health and education can comfortably fill the other half.

4. Which one of the following is best implied in the passage?

(a) Strong measures need to be taken to reduce the rural to urban migration of labour.

(b) The working condition in construction and unregistered manufacturing needs to be improved

(c) Service sector has been reducing the problem of unemployment.

(d) Increased social sector spending is imperative for large-scale job creation.

5. परिच्छेद

भारत में निजता के अधिकार पर वर्तमान फोकस डिजिटल युग की कुछ नवीन वास्तविकताओं पर आधारित है। कोई भी अधिकार वास्तविक अधिकार तभी होता है, यदि वह सभी स्थितियों में प्रभावी हो और सभी के लिए हो। उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति का अपने शोषण के विरुद्ध सुरक्षा की वास्तविक उपलब्धता के बिना स्वतन्त्र अभिव्यक्ति का अधिकार अर्थहीन है, जो कि यह सुनिश्चित करे कि उसके इस अधिकार को गैर-सरकारी शक्ति के प्रयोग से निष्फल न किया जा सके। इसलिए राज्य की भूमिका आधिकारिक स्वतन्त्र अभिव्यक्ति में रुकावट पैदा करने से बचना मात्र ही नहीं है, अपितु यह भी सक्रिय रूप से सुनिश्चित करना है कि गैर-सरकारी पक्षकार इसको अवरुद्ध करने में सक्षम न हों।

5. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई
   1. डिजिटल समाज में राज्य के पास ऐसी संस्थाएँ होनी चाहिए, जो इसकी समुचित भूमिका को सुनिश्चित कर सकें।
   2. राज्य को सुनिश्चित करना चाहिए कि गैर-सरकारी पक्षकार नागरिकों की निजता के अधिकार का हनन न करें।
   3. डिजिटल अर्थव्यवस्था नागरिकों की निजता का हनन न करने के विचार से सुसंगत नहीं है।

उपरोक्त में से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 1 और 3 (d) केवल 2

6. परिच्छेद

मृदा, जिसमें हमारे लगभग सभी खाद्य-पदार्थ उगते हैं, एक जीवन्त संसाधन है, जिसके बनने में वर्षों लगते हैं तथापि, यह मिनटों में नष्ट हो सकती है। प्रतिवर्ष 75 अरब) बिलियन (टन उर्वर मृदा क्षरण के कारण नष्ट हो जाती है। यह चिन्ताजनक है- और केवल खाद्य उत्पादकों के लिए ही नहीं। मृदा विशाल मात्रा में कार्बन डाइ-ऑक्साइड को कार्बनिक) ऑर्गेनिक (कार्बन के रूप में रोके रख सकती है और वायुमण्डल में उन्मुक्त हो जाने से बचाए रख सकती है।

6. उपर्युक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं
   1. बड़े पैमाने पर मृदा का क्षरण विश्व में व्यापक खाद्य असुरक्षा का प्रमुख कारण है।
   2. मृदा का क्षरण मुख्यतः मानवोद्भविक) एन्थ्रोपोजेनिक) है।
   3. मृदा के धारणीय प्रबन्धन से जलवायु परिवर्तन का सामना करने में मदद मिलती है।

उपर्युक्त में से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) 1और 2 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 (d) ये सभी

5. Passage

In India, the current focus on the right to privacy is based on some new realities of the digital age. A right is a substantive right only if it works in all situations, and for everyone. A right to free expression for an individual about her exploitation, for instance, is meaningless without actual availability of security that guarantees that private force cannot be used to thwart this right. The role of the State, therefore, is not just to abstain from preventing rightful free expression, but also to actively ensure that private parties are not able to block it.

5. On the basis of the above passage, the following assumptions have been made:
   1. State should have some institutions to ensure its appropriate role in a digital society.
   2. State should ensure that private parties do not violate the citizens' right to privacy.
   3. Digital economy is not compatible with the idea of not violating the citizens' privacy.

Which of the above assumptions is/are valid?

(a) 1 and 2 (b) 3 only
(c) 1 and 3 (d) 2 only

6. Passage

Soil, in which nearly all our food grows, is a living resource that takes years to form. Yet it can vanish in minutes. Each year 75 billion tonnes of fertile soil is lost to erosion. That is alarming - and not just for food producers. Soil can trap huge quantities of carbon dioxide in the form of organic carbon and prevent it from escaping into the atmosphere.

6. On the basis of the above passage, the following assumptions have been made:
   1. Large scale soil erosion is a major reason for widespread food insecurity in the world.
   2. Soil erosion is mainly anthropogenic.
   3. Sustainable management of soils helps in combating climate change.

Which of the above assumptions is/are valid?

(a) 1 and 2 only (b) 3 only
(c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3

7. परिच्छेद

जलवायु परिवर्तन के कारण वास्तव में कुछ पादपों को वर्धन-काल अधिक लम्बे हो जाने और अधिक कार्बन डाइ-ऑक्साइड मिलने का लाभ पहुँच सकता है। तथापि, अपेक्षाकृत अधिक उष्ण विश्व के अन्य प्रभावों, जैसेकि नाशक जीव, सूखा और बाढ़ के अधिक हो जाने का अहानिकर होना कम हो जाएगा। विश्व कैसे अनुकूलन करेगा? अनुसन्धानकर्ता यह अनुमान करते हैं कि वर्ष 2050 तक मक्का, आलू, चावल और गेहूँ, इन चार पण्य वस्तुओं की उपयुक्त शस्य-भूमियाँ बदल जाएँगी, जिनसे कुछ जगहों पर किसानों को बाध्य होकर नई फसलों का रोपण करना पड़ेगा। तापन से कुछ कृषि-भूमियो को लाभ पहुंच सकता है, कुछ को नहीं। एकमात्र जलवायु ही उपज को निर्धारित नहीं करती; राजनीतिक परिवर्तन, विश्वव्यापी माँग और कृषि पद्धतियाँ इस बात को प्रभावित करेंगी कि भविष्य में कृषि-भूमियाँ कैसा निष्पादन करेंगी।

7. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सा एक, सर्वाधिक तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) भविष्य में वे किसान लाभ की स्थिति में होंगे, जो अपनी पद्धतियों को आधुनिक बनाएँगे और अपने खेतों में विविध फसलें उगाएँगे

(b) जलवायु परिवर्तन शस्य-विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा

(c) प्रमुख फसलों को नई शस्य-भूमियों में स्थानान्तरित करने से कृषि के अधीन सकल क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि होगी और इस प्रकार समग्र कृषि उत्पादन बढ़ेगा।

(d) जलवायु परिवर्तन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है जो भविष्य में कृषि अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा

8. परिच्छेद

चमगादड़ के पंख चमड़ी की परतों की तरह दिखाई दे सकते हैं, किन्तु अन्दर-अन्दर चमगादड़ की ठीक वैसे ही पाँच उँगलियाँ होती हैं, जैसे ऑरेग-उटैन या मनुष्य की होती हैं, साथ ही वैसे ही कलाई जुड़ी होती है। कलाई भी हड्डियों के गुच्छे से जो कि बाँह की लम्बी हड्डियों से जुड़ी होती है। इस बात से अधिक विलक्षण और क्या हो सकता है कि मनुष्य के हाथ, जो कस कर पकड़ने के लिए बने हैं, खोदने के लिए बने छछंदर के हाथ, घोड़े के पाँव, सँस के पाद और चमगादड़ के पंख, ये सब एक ही प्रतिरूप में बने हों?

8. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सा एक, सर्वाधिक तर्कसंगत, वैज्ञानिक और विवेकपूर्ण निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) हाथ की समान संरचना वाली विभिन्न जातियों) स्पीशीज (का होना जैव-विविधता का उदाहरण है

(b) विभिन्न जातियाँ) स्पीशीज (हाथ-पैरों का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए करती हैं, यह जैव-विविधता का उदाहरण है

(c) मनष्य और उपर्युक्त जन्तुओं के हाथ-पैरों में समान संरचना का होना क्रम-विकास में हुए संयोग का उदाहरण है

(d) मनुष्य और उपर्युक्त जन्तुओं के क्रम-विकास का साझा इतिहास है

7. Passage

Climate change may actually benefit some plants by lengthening growing seasons and increasing carbon dioxide. Yet other effects of a warmer world, such as more pests, droughts, and flooding, will be less benign. How will the world adapt? Researchers project that by 2050; suitable croplands for four commodities - maize, potatoes, rice and wheat – will shift, in some cases pushing farmers to plant new crops. Some farmlands may benefit from warming, but others won't. Climate alone does not dictate yields; political shifts, global demand, and agricultural practices will influence how farms fare in the future.

7. Which one of the following is the most logical and rational inference that can be made from) the above passage?

(a) Farmers who modernize their methods and diversify their fields will be in an advantageous position in future.

(b) Climate change will adversely affect the crop diversity.

(c) Shifting major crops to new croplands will lead to a great increase in the total area under cultivation and thus an increase in overall agricultural production.

(d) Climate change is the most important factor affecting the agricultural economy in the future.

8. Passage

A bat's wings may look like sheets of skin. But underneath, a bat has the same five fingers as an orangutan or a human, as well as a wrist connected to the same cluster of wrist bones connected to the same long bones of the arm. What can be more curious than that the hand of a man formed for grasping, that of a mole for digging, the leg of the horse, the paddle of the porpoise, and the wing of the bat, should all be constructed on the same pattern?

8. Which one of the following is the most logical, scientific and rational inference that can be made from the above passage?

(a) Different species having similar structure of hands is an example of biodiversity.

(b) Limbs being used by different species for different kinds of work is an example of biodiversity.

(c) Man and the aforementioned animals having similar structure of limbs is an example of coincidence in evolution.

(d) Man and the aforementioned animals have a shared evolutionary history.

9. परिच्छेद

जलवाय परिवर्तन का निवारण करने की सभी कार्यवाहियों में अन्तत :लागत अन्तर्निहित होती है। भारत जैसे देशों के लिए अनुकूलन तथा प्रशमन योजनाओं और परियोजनाओं को अभिकल्पित एवं कार्यान्वित करने के लिए वित्तपोषण उचित रूप से बहुत अहम है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए, जो कि जलवायु परिवर्तन की सर्वाधिक मार झेलने वालों में से एक होगा, वित्तीय विकास की आवश्यकताओं को देखते हुए, यह समस्या और भी गम्भीर है। अधिकतर देश निश्चित ही जलवायु परिवर्तन को वास्तविक खतरे के रूप में देखते हैं और अपने पास के सीमित संसाधनों को अधिक व्यापक और एकीकृत तरीके से प्रयोग कर इसके निवारण का प्रयास कर रहे हैं।

9. उपरोक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं :
1. जलवायु परिवर्तन, विकसित देशों के लिए चुनौती नहीं है।
2. अनेक देशों के लिए, जलवायु परिवर्तन एक जटिल नीतिगत मुद्दा है और एक विकास का मुद्दा भी।
3. वित्तीय तरीके और साधन खोजने होंगे ताकि विकासशील देश अपनी अनुकूलन क्षमता बढ़ा सकें।

उपरोक्त में कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 d) ये सभी

9. Passage

All actions to address climate change ultimately involve costs. Funding is vital in order for countries like India to design and implement adaptation and mitigation plans and projects. The problem is more severe for developing countries like India, which would be one of the hardest hit by climate change, given its need to finance development. Most countries do indeed treat climate change as real threat and are striving to address it in a more comprehensive and integrated manner with the limited resources at their disposal.

9. With reference to the above passage, the following assumptions have been made :
1. Climate change is not a challenge for developed countries.
2. Climate change is a complex policy issue and also a development issue for many countries.
3. Ways and means of finance must be found to enable developing countries to enhance their adaptive capacity.

Which of the above assumptions is/are valid ?

(a) 1 and 2 only (b) 3 only
(c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3

10. परिच्छेद

वैज्ञानिक ज्ञान के अपने संकट हैं लेकिन सभी बड़ी चीजों के साथ ऐसा ही है। उन संकटों के परे, जिनके द्वारा यह ज्ञान वर्तमान को डराता है, एक सम्भावित सुखी विश्व, जो कि गरीबी-रहित है, युद्ध-रहित है, रोगमुक्त है, का भविष्य निरूपण) विजन(करता है, जो और किसी से नहीं हो सकता। विज्ञान के चाहे कोई भी अप्रिय परिणाम हो सकते हों, वह अपनी विशेष प्रकृति में मुक्तिदाता है।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा एक इस परिच्छेद का सबसे महत्त्वपूर्ण निहितार्थ है?
(a) सुखी विश्व विज्ञान का स्वप्न है।
(b) विज्ञान ही एक सुखी विश्व का निर्माण कर सकता है, लेकिन यह अकेला बड़ा संकट नहीं है।
(c) विज्ञान के बिना सुखी विश्व सम्भव नहीं है।
(d) सुखी विश्व का होना बिलकुल सम्भव नहीं है, विज्ञान हो या न हो।

10. Passage

Scientific knowledge has its dangers, but so has every great thing. Over and beyond the dangers with which it threatens the present, it opens up as nothing else can, the vision of a possible happy world; a world without poverty, without war, with little illness. Science, whatever unpleasant consequences it may have by the way, is in its very nature a liberator.

10. Which one of the following is the most important implication of the passage?
(a) A happy world is a dream of science.
(b) Science only can build a happy world, but it is also the only major threat.
(c) A happy world is not possible without science.
(d) A happy world is not at all possible with or without science.

11. परिच्छेद

डब्ल्यूटीओ का सदस्य होने के कारण भारत उन समझौतों से बँधा हुआ है जिन पर भारत समेत इसके सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं एवं अनुसमर्थन किया है। समझा जाता है कि कृषि समझौते के अनुच्छेद-6 के अनुसार कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध कराने से विकृति आएगी और इसे सीमाओं के अधीन रखा गया है। 'न्यूनतम समर्थनों' से उत्पन्न आर्थिक सहायता विकासशील देशों के लिए कृषि उत्पादन के मूल्य के 10% से अधिक नहीं हो सकती। भारत में पीडीएस के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खाद्यान्न का सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग आवश्यक है। यह सम्भव है कि कुछ वर्षों में उत्पादकों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कृषि उत्पादन के मूल्य के 10% से अधिक बढ़ जाए।

11. उपरोक्त परिच्छेद क्या निर्णायक सन्देश देता है?
(a) भारत को अपने पीडीएस को संशोधित करना चाहिए।
(b) भारत को डब्ल्यूटीओ का सदस्य नहीं होना चाहिए।
(C) भारत के लिए, खाद्य सुरक्षा व्यापार के साथ टकराव उत्पन्न करती है।
(d) भारत अपने गरीबों को खाद्य सुरक्षा देता है।

12. परिच्छेद

भारत की शिक्षा प्रणाली उस व्यापक शिक्षा प्रणाली के नमूने पर बनी है जो यूरोप में 19वीं शताब्दी में विकसित हुई और बाद में विश्व में फैल गई। इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि बच्चों को 'अच्छे' नागरिक और उत्पादक श्रमिक के रूप में अनुकूलित किया जाए। यह व्यवस्था औद्योगिक युग के लिए उपयुक्त थी जिसमें सीमित क्षमता वाले अनुपालनकर्ता श्रमिकों की लगातार पूर्ति की माँग थी। हमारे शिक्षण संस्थान ऐसे कारखानों की तरह हैं जिनमें घण्टियाँ होती हैं, वर्दियाँ होती हैं और शिक्षार्थियों के जत्थे तैयार किए जाते हैं, ऐसे शिक्षार्थी जो अनुपालन के लिए ही बनाए जा रहे हैं, किन्तु आर्थिक दृष्टिकोण से वर्तमान वातावरण पूर्णत :भिन्न है। यह एक जटिल, अस्थिर एवं भूमण्डलीय रूप से अन्तःसम्बन्धित संसार है।

12. उपरोक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई
1. भारत अपनी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली के कारण तत्त्वतः विकासशील देश बना हुआ है।
2. आज के शिक्षार्थियों के लिए नए युग के कौशल-समूह प्राप्त करना आवश्यक है।
3. काफी संख्या में भारतीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए कुछ विकसित देशों में जाते हैं, क्योंकि वहाँ की शिक्षा प्रणालियाँ उन समाजों का पूर्ण प्रतिबिम्ब हैं जिनमें वे कार्य करती हैं।

उपरोक्त में कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?
(a) 1 और 3 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) ये सभी

11. Passage

Being a member of the WTO, India is bound by the agreements that have been signed and ratified by its members, including itself. According to Article 6 of the Agriculture Agreement, providing minimum support prices for agricultural products is considered distorting and is subject to limits. The subsidy arising from 'minimal supports' cannot exceed 10 per cent of the value of agricultural production for developing countries. PDS in India entails minimum support prices and public stockholding of food grains. It is possible that, in some years, the subsidy to producers will exceed 10 per cent of the value of agricultural production.

11. What is the crucial message conveyed by the above passage?
(a) India should revise its PDS.
(b) India should not be a member of WTO.
(C) For India, food security collides with trade.
(d) India provides food security to its poor. .

12. Passage

India's educational system is modeled on the ass education system that developed in the 19th century in Europe and later spread around the world. The goal of the system is to condition children as 'good' citizens and productive workers. This suited the industrial age that needed the constant supply of a compliant workforce with a narrow set of capabilities. Our educational institutes resemble factories with bells, uniforms and batch-processing of learners, designed to get learners to conform. But, from an economic point of view, the environment today is very different. It is a complex, volatile and globally interconnected world.

12. With reference to the above passage, the following assumptions have been made:
1. India continues to be a developing country essentially due to its faulty education system.
2. Today's learners need to acquire new-age skill-sets.
3. A good number of Indians go to some developed countries for education because the educational systems there are a perfect reflection of the societies in which they function.

Which of the above assumptions is/are valid?
(a) 1 and 3 only (b) 2 only
(c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3

13. परिच्छेद

विश्व की जनसंख्या वर्ष 1990 में 1.6 अरब के लगभग थी-आज यह 7.2 अरब के लगभग है और बढ़ रही है। जनसंख्या वृद्धि पर किए गए हाल के आकलनों से यह पूर्वानुमान होता है कि विश्व की जनसंख्या 2050 में 9.6 अरब और 2100 में 10.9 अरब हो जाएगी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के असदृश जहाँ केवल 3-4% जनसंख्या कृषि में लगी है, भारत की लगभग 47% जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। यदि भारत सेवा क्षेत्र में लगातार प्रगति करता रहे और विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बढ़ता रहे, तो भी यह सम्भावना की जाती है कि 2030 के आस-पास जब भारत, चीन से आगे निकल कर विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होगा, भारत की लगभग 42% जनसंख्या प्रधान रूप से कृषि पर निर्भर होगी।

13. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में कौन-सा सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष) इन्फेरेन्स (निकाला जा सकता है?

(a) कृषि क्षेत्र की समृद्धता भारत के लिए क्रान्तिक महत्त्व की है।

)b) भारतीय अर्थव्यवस्था प्रमुख रूप से इसकी कृषि पर निर्भर करती है।

)c) भारत को अपनी तेजी से बढ़ती जनसंख्या को नियन्त्रित करने के लिए कठोर उपाय अपनाने चाहिए।

)d) भारत के कृषि-समुदायों को अपनी आर्थिक दशाओं में सुधार लाने के लिए अन्य व्यवसायों को अपना लेना चाहिए।

13. Passage

Global population was around 1.6 billion in 1990 – today it is around 7.2 billion and growing. Recent estimates on population growth predict a global population of 9.6 billion in 2050 and 10.9 billion in 2100. Unlike Europe and North America, where only three to four per cent of population is engaged in agriculture, around 47 per cent of India's population is dependent upon agriculture. Even if India continues to do well in the service sector and the manufacturing sector picks up, it is expected that around 2030 when India overtakes China as the world's most populous country, nearly 42 per cent of India's population will still be predominantly dependent on agriculture.

13. Which of the following is the most logical and rational inference that can be made from the above passage?

(a) Prosperity of agriculture sector is of critical importance to India.

(b) Indian economy greatly depends on its agriculture.

(c) India should take strict measures to control its rapid population growth.

(d) India's farming communities should switch over to other occupations to improve their economic conditions.

14. परिच्छेद

बिजानिक हैं .मेरा सौभाग्य है कि मैं इस प्रकार का व्यक्ति हूँ, जो विज्ञान के साधनों का उपयोग करके प्रकृति को समझ सकता है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न सचमुच में ऐसे हैं, जिनका उत्तर वास्तव में विज्ञान नहीं दे सकता, जैसे कि कुछ भी न होने के स्थान पर कुछ क्यों है? हम यहाँ क्यों हैं? उन दायरों में मैंने पाया है कि आस्था इनके उत्तरों के लिए बेहतर मार्ग उपलब्ध कराती है। मैं इसको विषम रूप से कालदोषयुक्त पाता हूँ कि आज की संस्कृति में एक व्यापक धारणा प्रतीत होती है कि वैज्ञानिक और आध्यात्मिक विचार असंगत हैं।

14. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में कौन-सा सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष) इन्फेरेन्स (निकाला जा सकता है?

(a) यह विज्ञान न होकर आस्था है जो अन्ततः मानव-जाति की सभी समस्याओं को सुलझा सकती है।

)b) विज्ञान और आस्था आपस में सम्पूरक हो सकते हैं यदि उनके समुचित दायरों को समझ लिया जाए।

)c) कुछ ऐसे अत्यन्त मूलभूत प्रश्न हैं जिनका उत्तर विज्ञान अथवा आस्था किसी से नहीं दे सकते हैं।

)d) आज की संस्कृति में वैज्ञानिक विचारों को, आध्यात्मिक विचारों की तुलना में अधिक महत्त्व दिया जा रहा है।

14. Passage

I am a scientist, privileged to be somebody who tries to understand nature using the tools of science. But it is also clear that there are some really important questions that science cannot really answer, such as: Why is there something instead of nothing? Why are we here? In those domains, I have found that faith provides a better path to answers. I find it oddly anachronistic that in today's culture there seems to be a widespread presumption that scientific and spiritual views are incompatible.

14. Which of the following is the most logical and rational inference that can be made from the above passage?

(a) It is the faith and not science that can finally solve all the problems of mankind.

(b) Science and faith can be mutually complementary if their proper domains are understood.

(c) There are some very fundamental questions which cannot be answered by either science or faith.

(d) In today's culture, scientific views are given more importance than spiritual views.

15. परिच्छेद

यद्यपि मैंने बहुत-सी पुरानी परम्पराओं एवं प्रथाओं को त्याग दिया है और मैं उत्सुक हूँ कि भारत स्वत :उन सभी बेड़ियों को उतार फेंके जो उसे बाँधती हैं, रोकती हैं और उसके लोगों को विभाजित करती हैं, और उनमें से अधिसंख्य लोगों का दमन करती हैं तथा शरीर एवं आत्मा के स्वतन्त्र विकास को रोकती हैं। यद्यपि मैं ये सब चाहता हूँ फिर भी अपने-आप को अतीत से पूरी तरह काटना नहीं चाहता। मुझे अपनी महान विरासत पर गर्व है जो हमारी रही है और है भी और मैं सचेत हूँ कि मैं भी, हम सभी की तरह, उस अटूट श्रृंखला की कड़ी हूँ, जो इतिहास के उषाकाल के भारत के अविस्मरणीय अतीत से सम्बद्ध है।

15. लेखक चाहता है कि भारत अपने को अतीत के बन्धनों से मुक्त करे, क्योंकि

)a) वह भूतकाल के औचित्य को नहीं समझ पा रहा है
)b) ऐसा कुछ नहीं है जिस पर गर्व किया जा सके
)c) उसकी भारत के इतिहास में रुचि नहीं है
)d) वे उसके भौतिक और आध्यात्मिक विकास को रोकते हैं

16. परिच्छेद

जो व्यक्ति निरन्तर इस हिचकिचाहट में रहता है कि दो चीजों में से किसे पहले को वह दोनों में से कोई भी नहीं करेगा। जो व्यक्ति संकल्प करता है, लेकिन उसकी काट में किसी मित्र द्वारा दिए गए पहले सुझाव पर ही अपने संकल्प को बदल देता है-जो कभी एक राय कभी दूसरी राय के बीच आगा-पीछा करता रहता है और एक योजना से दूसरी योजना तक रुख बदलता रहता है-वह किसी भी चीज को कभी पूरा नहीं कर सकता। ज्यादा से ज्यादा वह बस ठहरा रहेगा, और सम्भवत: सभी चीजों में पीछे हटता रहेगा। जो व्यक्ति पहले विवेकपूर्वक परामर्श करता है, फिर दृढ़ संकल्प करता है, और कमजोर मनोवृत्ति को भयभीत करने वाली तुच्छ कठिनाइयों से निर्भीक बने रहकर अटल दृढ़ता से अपने उद्देश्यों को पूरा करता है-केवल वही व्यक्ति किसी भी दिशा में उत्कर्ष की ओर आगे बढ़ सकता है।

16. इस परिच्छेद से निकलने वाला मूलभाव क्या है?
(a) हमें पहले विवेकपूर्वक परामर्श करना चाहिए, फिर दृढ़ संकल्प करना चाहिए
(b) हमें मित्रों के सुझावों को नकार देना चाहिए और बिना बदले अपनी राय पर कायम रहना चाहिए
(c) हमें विचारों में सदैव उदार होना चाहिए
(d) हमें सदैव कृतसंकल्प और उपलब्धि-अभिमुख होना चाहिए

15. Passage

Though I have discarded much of past tradition and custom, and am anxious that India should rid herself of all shackles that bind and contain her and divide her people, and suppress vast numbers of them, and prevent the free development of the body and the spirit; though I seek all this, yet I do not wish to cut myself off from that past completely. I am proud of that great inheritance that has been and is, ours and I am conscious that I too, like all of us, am a link in that unbroken chain which goes back to the dawn of history in the immemorial past of India.

15. The author wants India to rid herself of certain past bonds because
(a) He is not able to see the relevance of the past
(b) There is not much to be proud of
(c) He is not interested in the history of India
(d) They obstruct her physical and spiritual growth

16. Passage

The man who is perpetually hesitating which of the two things he will do first, will do neither. The man who resolves, but suffers his resolution to be changed by the first counter - suggestion of a friend-who fluctuates from opinion to opinion and veers from plan to plan-can never accomplish anything. He will at best be stationary and probably retrograde in all. It is only the man who first consults wisely, then resolves firmly and then executes his purpose with inflexible perseverance, undismayed by those petty difficulties which daunt a weaker spirit - that can advance to eminence in any line.

16. The keynote that seems to be emerging from the passage is that
(a) We should first consult wisely and then resolve firmly
(b) We should reject suggestions of friends and remain unchanged
(c) We should always remain broad-minded
(d) We should be resolute and achievement oriented

17. परिच्छेद

लोग क्यों खुले में शौच जाना ज्यादा पसन्द करते हैं और शौचालय रखना नहीं चाहते, या जिनके पास शौचालय है वे उसका उपयोग कभी-कभी ही करते हैं? हाल के अनुसन्धान से दो खास बातें सामने आई है : शुद्धता और प्रदूषण के विचार और न चाहना कि गड्डे या सेप्टिक टैंक भरें, क्योंकि उन्हें खाली करना होता है। ये वे मुद्दे हैं जिन पर कोई बात नहीं करना चाहता, लेकिन यदि हम खुले में शौच की प्रथा का उन्मूलन करना चाहते हैं, तो इन मुद्दों का सामना करना होगा और इनसे समुचित तरीके से निपटना होगा।

17. उपर्युक्त परिच्छेद से, निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक निर्णायक सन्देश व्यक्त होता है?
(a) शुद्धता और प्रदूषण के विचार इतने गहरे समाये हैं कि उन्हें लोगों के दिमाग से हटाया नहीं जा सकता
(b) लोगों को समझना होगा कि शौचालय का उपयोग और गड्ढों का खाली किया जाना शुद्धता की बात है न कि अशुद्धता की
(c) लोग अपनी पुरानी आदतों को बदल नहीं सकते
(d) लोगों में न तो नागरिक बोध है और न ही एकान्तता (प्राइवेसी) का बोध है

18. परिच्छेद

2020 तक, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5.6 करोड़ (56 मिलियन) यवाओं की कमी होने की आशंका है तब भारत अपने 4.7 करोड़ (47 मिलियन) अधिशेष युवाओं से इस कमी को पूरा कर सकता है। भारत में दो अंकों में विकास निर्मुक्त करने के एक मार्ग के रूप में श्रम सुधारों को इसी सन्दर्भ में प्रायः उद्धृत किया जाता है। 2014 में, भारत का श्रमबल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत होने का आकलन था, लेकिन इस बल का 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र में था। विगत पूरे दशक में रोजगार की चक्रवृद्धि वार्षिक संवृद्धि दर [कम्पाउण्ड एनुअल ग्रोथ रेट (CAGR)0.5 प्रतिशत तक मन्द हो चुकी थी, जहाँ पिछले वर्ष के दौरान लगभग 1.4 करोड़ (14 मिलियन) नौकरियाँ सृजित हुई जबकि श्रमबल में लगभग 1.5 करोड़ (15 मलियन)] की वृद्धि हुई।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक तार्किक निष्कर्ष (इन्फरेंस) है?
(a) भारत को अपनी जनसंख्या वृद्धि पर अवश्य ही नियन्त्रण करना चाहिए, ताकि इसकी बेरोजगारी दर कम हो सके
(b) भारत के विशाल श्रमबल का उत्पादक रूप से इष्टतम उपयोग करने के लिए भारत में श्रम सुधारों की आवश्यकता है
(c) भारत अतिशीघ्र दो अंकों का विकास प्राप्त करने की ओर अग्रसर है
(d) भारत अन्य देशों को कौशल-प्राप्त युवाओं की पूर्ति करने में सक्षम है।

17. Passage

Why do people prefer open defecation and not want toilets or, if they have them, only use them sometimes? Recent research has shown two critical elements: ideas of purity and pollutions, and not wanting pits or septic tanks to fill because they have to be emptied. These are the issues that nobody wants to talk about, but if we want to eradicate the practice of open defection, they have to be confronted and dealt properly.

17. Which among the following is the most crucial message conveyed by the above passage?
(a) The ideas of purity and pollutions are so deep-rooted that they cannot be removed from the minds of the people.
(b) People have to perceive toilet use and pit emptying as clean and not polluting.
(C) People cannot change their old habits.
(d) People have neither civic sense nor sense of privacy.

18. Passage

By 2020, when the global economy is expected to run short of 56 million young people, India, with its youth surplus of 47 million, could fill the gap. It is in this context that labour reforms are often cited as the way to unlock double-digit growth in India. In 2014, India's labour force was estimated to be about 40 per cent of the population, but 93 per cent of this force was in unorganized sector. Over the last decade, the compound annual growth rate (CAGR) of employment has slowed to 0.5 per cent, with about 14 million jobs created during last year when the labour force increased by about 15 million.

21. Which of the following is most rational inference from the above passage?
(a) India must control its population growth so as to reduce its unemployment rate.
(b) Labour reforms are required in India to make optimum use of its vast labour force productively.
(c) India is poised to achieve the double-digit growth very soon.
(d) India is capable of supplying! It, skilled young people to other countries.

19. परिच्छेद

सबसे पहला पाठ, जो हमें तब पढ़ाया जाना चाहिए जब हम उसे समझने के लिए पर्याप्त बड़े हो चुके हों, यह है कि कार्य करने की बाध्यता से पूरी स्वतंत्रता अप्राकृतिक है, और इसे गैर-कानूनी होना चाहिए, क्योंकि हम कार्य-भार के अपने हिस्से से केवल तभी बच सकते हैं, जब हम इसे किसी दूसरे के कन्धों पर डाल दें। प्रकृति ने यह विधान किया है कि मानव प्रजाति, यदि कार्य करना बन्द कर दे, तो भुखमरी से नष्ट हो जाएगी। हम इस निरंकुशता से बच नहीं सकते हैं। हमें इस प्रश्न को सुलझाना पड़ेगा कि हम अपने-आपको कितना अवकाश देने में समर्थ हो सकते हैं।

19. उपर्युक्त परिच्छेद का यह मुख्य विचार है कि
(a) मनुष्यों के लिए यह आवश्यक है कि वे काम करें
)b) कार्य एवं अवकाश के मध्य सन्तुलन होना चाहिए
)c) कार्य करना एक निरंकुशता है जिसका हमें सामना करना ही पड़ता है
)d) मनुष्य के लिए कार्य की प्रकृति को समझना आवश्यक है

19. Passage

The very first lesson that should be taught to us when we are old enough to understand it is that complete freedom from the obligation to work is unnatural, and ought to be illegal, as we can escape our share of the burden of work only by throwing it on someone else's shoulders. Nature ordains that the human race shall perish of famine if it stops working. We cannot escape from this tyranny. The question we have to settle is how much leisure we can afford to allow ourselves.

19. The main idea of the passage is that
(a) It is essential for human beings to work
(b) There should be a balance between work and leisure
(c) Working is a tyranny which we have to face
(d) Human understands of the nature of work is essential

20. परिच्छेद

आदतों का पालन करने में कोई हानि नहीं है, जब तक कि वे आदतें हानिकारक न हों। वास्तव में हममें से अधिकांश लोग, आदतों के पुलिंदे से शायद कुछ अधिक ही व्यवस्थिति होते हैं। हम अपनी आदतों से मुक्त हो जाएँ तो जो बचेगा उस पर शायद ही कोई ध्यान देना चाहे। हम इनके बिना नहीं चल सकते। वे जीवन की प्रक्रिया को सरल बनाती है। इनसे हम बहुत-सी चीजें अपने आप करने में समर्थ होते हैं, जिन्हें, यदि हम हर बार नया और मौलिक विचार देकर करना चाहें, तो अस्तित्व एक असम्भव उलझन बन जाए।

20. लेखक का सुझाव है कि आदतें
(a) हमारे जीवन को कठिन बनाती हैं
(b) हमारे जीवन में सटीकता लाती हैं
(c) हमारे लिए जीना आसान करती हैं
(d) हमारे जीवन को मशीन बनाती हैं

20. Passage

There is no harm in cultivating habits so long as they are not injurious. Indeed, most of us are little more than bundle of habits. Take away our habits and the residuum would hardly be worth bothering about. We could not get on without them. They simplify the mechanism of life. They enable us to do a multitude of things automatically, which, if we had to give fresh and original thought to them each time, would make existence an impossible confusion.

20. The author suggests that habits
(a) Tend to make our lives difficult
(b) Add precision to our lives
(c) Make it easier for us to live
(d) Tend to mechanize our lives

21. परिच्छेद

लोकतान्त्रिक राज्य में, जहाँ लोगों में उच्च कोटि की राजनीतिक परिपक्कता होती है, सर्वसत्ताधारी विधिनिर्माता निकाय के संकल्प और जनता के संगठित संकल्प में बिरले ही संघर्ष होता है।

21. उपर्युक्त परिच्छेद का क्या निहितार्थ है?

(a) लोकतन्त्र में, सम्प्रभुता के वास्तविक पालन में, बल प्रमुख तथ्य होता है
)b) परिपक्क लोकतन्त्र में, सम्प्रभुता के वास्तविक पालन में, बल एक बड़ी सीमा तक प्रमुख तथ्य होता है
)c) परिपक्क लोकतन्त्र में, सम्प्रभुता के वास्तविक पालन में, बल का प्रयोग के अप्रासंगित है
)d) परिपक्क लोकतन्त्र में, सम्प्रभुता के वास्तविक पालन में, बल घटकर एक उपान्तिक तथ्य) मार्जिनल फेनॉमिनॉन (रह जाता है

22. परिच्छेद

सफल लोकतन्त्र राजनीति में व्यापक रुचि एवं भागीदारी पर निर्भर करता है, जिसमें मतदान एक आवश्यक अंग है। जानबूझकर इस प्रकार की रुचि न रखना आर मतदान न करना, एक प्रकार की अन्तर्निहित अराजकता है; यह स्वतन्त्र राजनीतिक समाज के लाभों का उपयोग करते हुए अपने राजनीतिक दायित्व से मुख मोड़ना है।

22. यह परिच्छेद किससे सम्बन्धित है?

(a) मतदान का दायित्व
(b) मतदान का अधिकार
)c) मतदान की स्वतन्त्रता
(d) राजनीति में भागीदारी का अधिकार

23. परिच्छेद

किसी स्वतन्त्र देश में, नेता की स्थिति तक पहुँचने वाला व्यक्ति सामान्यतः उत्कष्ट चरित्र और योग्यता वाला व्यक्ति होता है। इसके साथ ही, इसका पूर्वानुमान कर लेना भी सामान्यत: सम्भव होता है कि वह इस स्थिति तक पहुँचेगा. क्योंकि जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में ही उसके चारित्रिक गुणों को देखा जा सकता है। किन्तु किसी तानाशाह के मामले में यह हमेशा सत्य नहीं होता; वह प्राय: अपनी सत्ता की स्थिति तक संयोग से पहुँच जाता है, अनेक बार तो सिर्फ अपने देश की दुखद स्थिति के कारण ही।

23. इस परिच्छेद में यह सुझाया गया प्रतीत होता है कि

(a) नेता अपनी भावी स्थिति का पूर्वानुमान कर लेता है।
(b) नेता सिर्फ किसी स्वतन्त्र देश के द्वारा ही चुना जाता है
(c) किसी भी नेता को इस बात पर ध्यान रखना चाहिए कि उसका देश निराशा से मुक्त रहे
(d) किसी देश में बनी हुई निराशा की परिणति कभी-कभी तानाशाही में होती है

21. Passage

In a democratic State, where a high degree of Political maturity of the people obtains, the conflict between the will of the sovereign law-making body and the organized will of the people seldom occurs.

21. What does the above passage imply?
(a) In a democracy, force is the main phenomenon in the actual exercise of sovereignty.
(b) In a mature democracy, force to a great extent is the main phenomenon in the actual exercise of sovereignty.
(c) In a mature democracy, use of force is irrelevant in the actual exercise of sovereignty.
(d) In a mature democracy, force is narrowed down to a marginal phenomenon in the actual exercise of sovereignty.

22. Passage

A successful democracy depends upon widespread interest and participation in politics, in which voting is an essential part. To deliberately refrain from taking such an interest, and from voting, is a kind of implied anarchy; it is to refuse one's political responsibility while enjoying the benefits of a free political society.

22. This passage relates to
(a) Duty to vote
(b) Right to vote
(c) Freedom to vote
(d) Right to participate in politics

23. Passage

In a free country, the man who reaches the position of leader is usually one of outstanding character and ability. Moreover, it is usually possible to foresee that he will reach such a position, since early in life one can see his qualities of character. But this is not always true in the case of a dictator; often he reaches his position of power through chance, very often through the unhappy state of his country.

23. The passage seems to suggest that
(a) A leader foresees his future position
(b) A leader is chosen only by a free country
(c) A leader must see that his country is free from despair
(d) Despair in a country sometimes leads to dictatorship

24. परिच्छेद

तकनीकी प्रगति में निहित मानव-जाति के लिए सबसे बड़ा वरदान, निश्चित रूप भौतिक सम्पदा का संचय नहीं है। किसी व्यक्ति के द्वारा जीवन में इनकी नी मात्रा का वास्तविक रूप में उपभोग किया जा सकता है, वह बहुत अधिक है। किन्त फुरसत के समय के उपभोग की सम्भावनाएँ उसी संकीर्ण सीमा क सीमित नहीं हैं। जिन्होंने फुरसत के समय के उपहार के सदुपयोग का कभी अनभव नहीं किया है, वे लोग इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। फिर भी, समाजों की एक अल्पसंख्यक द्वारा फुरसत के समय का रचनात्मक उपयोग किया जाना ही आदिम स्तर के बाद सभी मानव-प्रगति का मुख्य प्रेरणास्रोत रहा है।

24. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं।
1. फुरसत के समय को लोग सदैव उपहार के रूप में देखते हैं तथा इसका उपयोग और अधिक भौतिक सम्पदा अर्जित करने के लिए करते हैं।
2. कुछ लोगों द्वारा फुरसत के समय का, नूतन और मौलिक चीजों के उत्पादन के लिए, उपयोग किया जाना ही मानव-प्रगति का मुख्य स्रोत रहा है।

इनमें से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) केवल 1. (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 ओर न ही 2

25. परिच्छेद

यदि हम 2050 की ओर देखें जब हमें दो अरब अधिक लोगों को आहार खिलाने की आवश्यकता होगी, तो यह प्रश्न कि कौन-सा आहार सर्वोत्तम है, एक नई अत्यावश्यकता बन गया है। आने वाले दशकों में हम जिन खाद्य पदार्थों को खाने के लिए चुनेंगे, उनके इस ग्रह के लिए गम्भीर रूप से बहुशाखन होंगे। सामान्य रूप से कहें तो समूचे विकासशील देशों में खानपान की जो मांस और डेरी उत्पाद के आहार के गिर्द ही घूमते रहने वाली प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह भूमण्डलीय संसाधनों पर, अपरिष्कृत अनाज, गिरी, फलों और सब्जियों पर निर्भर करने वाली प्रवृत्ति की तुलना में अधिक दबाव डालेगी।

25. उपर्युक्त परिच्छेद से क्या निर्णायक सन्देश निकलता है?
(a) पशु आधारित खाद्य स्रोत की बढ़ती माँग हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर अपेक्षाकृत अधिक बोझ डालती है।
(b) अनाजों, गिरी, फलों और सब्जियों पर आधारित आहार विकासशील देशों में स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक सुयोग्य है
(c) मनुष्य स्वास्थ्य मामलों को बिना ध्यान में रखे, समय-समय पर अपने खाने की आदतों को बदलते हैं
(d) भूमण्डलीय परिप्रेक्ष्य में, हम अभी तक यह नहीं जानते कि कौन-सा आहार हमारे लिए सर्वोत्तम है

24. Passage

The greatest blessing that technological progress has in store for mankind is not, of course, an accumulation of material possessions. The amount of these that can be effectively enjoyed by one individual in one lifetime is not great. But there is not the same narrow limit to the possibilities of the enjoyment of leisure. The gift of leisure may be abused by people who have had no experience of making use of it. Yet the creative use of leisure by a minority in societies has been the mainspring of all human progress beyond the primitive level.

24. With reference to the above passage, the following assumptions have been made:
1. People always see the leisure time as a gift and use it for acquiring more material possessions.
2. Use of leisure by some people to produce new and original things has been the chief source of human progress.

Which of these assumptions is/are valid?

(a) 1 only (b) 2 only
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

25. Passage

As we look to 2050, when we will need to feed two billion more people, the question of which diet is best has taken on new urgency. The foods we choose to eat in the coming decades will have dramatic ramifications for the planet. Simply put, a diet that revolves around meat and dairy a way of eating that is on the rise throughout the developing world, will take a greater toll on the world's resources than one that revolves around unrefined grains, nuts, fruits and vegetables.

25. What is the critical message conveyed by the above passage?
(a) Our increasing demand for foods sourced from animals puts a greater burden on our natural resources
(b) Diets based on grains, nuts, fruits and vegetables are best suited for health in developing countries
(c) Human beings change their food habits from time to time irrespective of the health concerns
(d) From a global perspective, we still do not know which type of diet is best for us

26. परिच्छेद

सभी मनुष्य शैशवावस्था में माँ के दूध को पचाते हैं, परन्तु 10,000 वर्ष पहले मवेशियों की पालन प्रणाली को आरम्भ होने तक, शिशुओं को एक बार दूध छुड़ाने पर उनको दूध पचाने की आवश्यकता नहीं होती थी। इसके परिणामस्वरूप उनमें लैक्टोज एन्जाइम का बनना बन्द हो गया है, जो लैक्टोज शर्करा को सरल शर्कराओं में तोड़ता है। मानव के मवेशी चराने की प्रणाली आरम्भ होने के बाद दूध को पचाना अत्यधिक लाभदायक हो गया और यूरोप, मध्यपूर्व (मिडिल ईस्ट) और अफ्रीका में मवेशी चराने वालों में स्वतन्त्र रूप से लैक्टोज सहन-शक्ति का विकास हुआ। चीनी और थाई लोग जो मवेशियों पर निर्भर नहीं थे, वे लैक्टोज असहनशील बने हुए हैं।

26. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सी सर्वाधिक तार्किक पूर्वधारणा प्राप्त की जा सकती है?
(a) लगभग 10,000 वर्ष पहले विश्व के कुछ भागों में पशुपालन शुरू हुआ
(b) एक समुदाय में खाने की आदतों में स्थायी परिवर्तन, समुदाय के सदस्यों में आनुवंशिक परिवर्तन ला सकता है
(c) केवल लैक्टोज सहनशील लोगों में ही अपने शरीरों में सरल शर्कराओं को पाने की क्षमता होती है
(d) जो लोग लैक्टोज सहनशील नहीं होते, वे किसी भी डेरी उत्पाद को नहीं पचा सकते

27. परिच्छेद

विकसित और औद्योगीकृत देशों की राष्ट्रीय आयों के बीच तुलना करते समय आने वाली संकल्पनात्मक कठिनाइयाँ विशेष रूप से गम्भीर होती हैं, क्योंकि विभिन्न कसित देशों में राष्ट्रीय उत्पाद के एक भाग का उत्पादन वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना होता है।"

27. इस कथन से लेखक का तात्पर्य है कि
(a) औद्योगीकृत देशों में उत्पादित और उपभुक्त समस्त राष्ट्रीय उत्पाद वाणिज्यिक माध्यमों में से गुजरता है
(b) विभिन्न अल्पविकसित देशों में अवाणिज्यीकृत क्षेत्रक का अस्तित्व देशों की राष्ट्रीय आयों की परस्पर तुलना को कठिन बना देता है
(c) राष्ट्रीय उत्पाद के किसी भाग का उत्पादन और उपभोग वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना नहीं होना चाहिए
(d) राष्ट्रीय उत्पाद के एक भाग का उत्पादन और उपभोग वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना होना अल्पविकास का चिह्न है

26. Passage

All humans digest mother's milk as infants, but until cattle began being domesticated 10,000 years ago, children once weaned no longer needed to digest milk. As a result, they stopped making the enzyme lactase, which breaks down the sugar lactose into simple sugars. After humans began herding cattle, it became tremendously advantageous to digest milk, and lactose tolerance evolved independently among cattle herders in Europe, the Middle East and Africa. Groups not dependent on cattle, such as the Chinese and Thai, remain lactose intolerant.

26. Which among the following is the most logical assumption that can be made from the above passage ?
(a) About 10,000 years ago, the domestication of animals took place in some parts of the world
(b) A permanent change in the food habits of a community can bring about a genetic change in its members
(c) Lactose tolerant people only are capable of getting simple sugars in their bodies
(d) People who are not lactose tolerant cannot digest any dairy product

27. Passage

"The conceptual difficulties in National Income comparisons between underdeveloped and industrialized countries are particularly serious because a part of the national output in underdeveloped countries is produced without passing through the commercial channels."

27. In the above statement, the author implies that:
(a) The entire national output produced and consumed in industrialized countries passes through commercial channels
(b) The existence of a non-commercialized sector in different underdeveloped countries renders the national income comparisons over countries difficult
(c) No part of national output should be produced and consumed without passing through commercial channels
(d) A part of the national output being produced and consumed without passing through commercial channels is a sign of underdevelopment

28. परिच्छेद

ऐतिहासिक रूप से, विश्व-कृषि के सामने, खाद्य की माँग और पूर्ति के बीच सन्तुलन प्राप्त करना सबसे बड़ी चुनौती रही है। वैयक्तिक देशों के स्तर पर, माँग-पूर्ती संतुलन बंद अर्थव्यवस्था के लिए एक निर्णायक नीतिगत मुद्दा हो सकता है, विशेषकर यदि वह एक जनसंख्या बहुल अर्थव्यवस्था है और उसकी घरेलू कृषि, स्थायी आधार पर पर्याप्त खाद्य पूर्ति नहीं कर पा रही है। यह उस मुक्त और बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के लिए जिसके पास विदेशों से खाद्य क्रय करने हेतु पर्याप्त विनिमय अधिशेष है, उतनी बढ़ी और न ही सदैव होने वाली बाध्यता है। विश्व के लिए समग्र रूप से, माँग-पूर्ति सन्तुलन, भूख तथा भुखमरी से बचाव हेतु, सदैव ही एक अपरिहार्य पूर्व-शर्त है। तथापि, पर्याप्त पूर्ती की विश्वव्यापी उपलब्धता का आवश्यक रूप से यह मतलब नहीं है कि खाद्य स्वत: अधिशेष वाले देशों से उन अभावग्रस्त देशों की ओर, जिनके पास क्रय शक्ति का आभाव है, चला जाएगा। अतः विश्व स्तर पर भूख-भुखमरी, न्यून पोषण या कुपोषण आदि का असमान वितरण, खाली जेबों वाले भूखे लोगों की मौजूगी की वजह से है, जो वृहद रूप से अविकसित अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित है। जहाँ तक आधारभूत मानवीय अस्तित्व के लिए "दो वक्त का भरपेट भोजन" का प्राथमिक महत्त्व है, उसमें खाद्य की विश्वव्यापी पूर्ति के मुद्दे को, हाल के वर्षों में, महत्त्व मिलता रहा है, क्योंकि माँग की मात्रा और संरचना दोनों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं और क्योंकि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों की खाद्य-पूर्तियों की अबाधित श्रृंखला निर्मित करने की क्षमताओं में कमी आई है। खाद्य-उत्पादन, विपणन और कीमतें, विशेषकर विकासशील विश्व में गरीबों द्वारा कीमत वहन करने की क्षमता, विश्वव्यापी मुद्दे बन गए हैं, जिनका विश्वव्यापी चिन्तन और विश्वव्यापी समाधान आवश्यक है।

28. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विश्व खाद्य सुरक्षा के लिए निम्नलिखित में कौन-से मूलभूत हल हैं?
1. अपेक्षाकृत अधिक कृषि-आधारित उद्योग स्थापित करना
2. गरीबों द्वारा कीमत वहन करने की क्षमता को सुधारना
3. विपणन की दशाओं का नियमन करना
4. हर एक को खाद्य सहायिकी प्रदान करना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c)1,3 और 4 (d) 1, 2, 3और 4

.

29. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विश्व कृषि के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती क्या है?
(a) कृषि हेतु पर्याप्त भूमि प्राप्त करना और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का विस्तार करना
(b) अल्पविकसित देशों में भुखमरी का उन्मूलन करना
(c) खाद्य एवं गैर-खाद्य (नान-फूड) वस्तुओं के उत्पादन के बीच सन्तुलन प्राप्त करना
(d) खाद्य की माँग और आपूर्ति के बीच सन्तुलन प्राप्त करना

28. Passage

Historically, the biggest Challenge to world agriculture has been to achieve a balance between demand for and supply of food. At the level of individual countries, the demand-supply balance can be a critical issue for a closed economy, especially if it is a populous economy and its domestic agriculture is not growing sufficiently enough to ensure food supplies, on an enduring basis; it is not so much and not always, of a constraint for an open, and growing economy, which has adequate exchange surpluses to buy food abroad. For the world as a whole, supply - demand balance is always an inescapable prerequisite for warding off hunger and starvation. However, global availability of adequate supply does not necessarily mean that food would automatically move from countries of surplus to of deficit if the latter lack in purchasing power. The uneven distribution of hunger, starvation, under or mal - nourishment, etc., at the world-level, thus owes itself to the presence of empty - pocket hungry mouths, overwhelmingly confined to the underdeveloped economies. In as much as a two square meal' is of elemental significance to basic human existence, the issue of worldwide supply of food has been gaining significance, in recent times, both because the quantum and the composition of demand has been undergoing big changes, and because, in recent years, the capabilities of individual countries to generate uninterrupted chain of food supplies have come under strain. Food production, marketing and prices, especially price-affordability by the poor in the developing world, have become global issues that need global thinking and global solutions.

28. According to the above passage, which of the following are the fundamental solutions for the world food security problem?
1. Setting up more agro-based industries
2. Improving the price affordability by the poor
3. Regulating the conditions of marketing
4. Providing food subsidy to one and all

Select the correct answer using the code given below:
(a) 1 and 2 only (b) 2 and 3 only
(c) 1, 3 and 4 only (d) 1, 2, 3 and 4

29. According to the above passage, the biggest challenge to world agriculture is?
(a) To find sufficient land for agriculture and to expand food processing industries
(b) To eradicate hunger in underdeveloped countries
(c) To achieve a balance between the production of food and non-food items
(d) To achieve a balance between demand for and supply of food

30. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में भूख और भुखमरी घटाने में, निम्नलिखित में से किससे/किनसे सहायता मिलती है?

1. खाद्य की माँग और आपूर्ति के बीच सन्तुलन करना।
2. खाद्य आयात में वृद्धि करना।
3. निर्धनों की क्रयशक्ति में वृद्धि करना।
4. खाद्य उपभोग प्रतिमानों और प्रयासों में बदलाव लाना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) केवल 1 (b) 2,3 और 4
(c) 1 और 3 (d) 1,2,3 और 4

31. विश्वव्यापी खाद्य-पूर्ति के मुद्दे को मुख्यत: किसके/किनके कारण महत्त्व प्राप्त हुआ है?

1. विश्वव्यापी रूप से जनसंख्या की अतिवृद्धि
2. खाद्य-उत्पादन के क्षेत्र में तीव्र गिरावट
3. सतत खाद्य-पूर्ति हेतु क्षमताओं में परिसीमन

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

30. According to the above passage, which of the following helps/help in reducing "hunger and starvation in the enveloping economies ?

1. Balancing demand and supply of food
2. Increasing imports of food
3. Increasing purchasing power of the poor
4. Changing the food consumption patterns and practices

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 2, 3 and 4 only
(c) 1 and 3 only (d) 1, 2, 3 and 4

31. The issue of worldwide supply of food has gained importance mainly because of:

1. Overgrowth of the population worldwide
2. Sharp decline in the area of food production
3. Limitation in the capabilities for sustained supply of food

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 and 2 only (b) 3 only
(c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3

29. परिच्छेद

शासन और लोक प्रशासन में कमियों के मूल में स्थित एक प्रमुख कारक, आमतौर से शासन में, और मुख्य रूप से सिविल सेवाओं में, जवाबदेही का होना या न होना जवाबदेही का एक प्रभावी ढांचा रूपांकित करना सुधार कार्यसूची का एक मुख्य तत्त्व रहा है। मलभूत मुददा यह है कि क्या सिविल सेवाओं का तत्कालीन राजनीतिक कार्यपालिका के प्रति जवाबदेही का होना चाहिए अथवा व्यापक रूप में समाज के प्रति। दूसरे शब्दों में, आन्तरिक और बाहय जवाबदेही के बीच सामंजस्य कैसे स्थापित किया। जाए? आन्तरिक जवाबदेही के आन्तरिक निष्पादन के परिवीक्षण, केन्द्रीय सतर्कता आयोग एवं नियन्त्रक महालेखा परीक्षक जैसे निकायों के अधिकारिक निरीक्षण तथा अधिशासी निर्णयों के न्यायिक पूनर्विलोकन के द्वारा प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। भारत के संविधान के अनच्छेद 311 और 312 सिविल सेवाओं, खास कर अखिल भारतीय सेवाओं, में नौकरी की सुरक्षा एवं रक्षोपाय का उपबन्ध करते हैं। संविधान निर्माताओं ने यह ध्यान में रखा था कि इन संरक्षण उपबन्धों के परिणामस्वरूप ऐसी सिविल सेवा बनेगी। जो राजनीतिक कार्यपालिका की पूर्णत : अनुसेवी नहीं होगी वरन् उसमें वृहत्तर लोकहित में कार्य करने की शक्ति होगी। इस प्रकार संविधान में आन्तरिक और बाहय जवाबदेही के बीच सन्तुलन रखने की आवश्कता सन्निहित है। प्रश्न यह है कि दोनों के बीच रेखा कहाँ खींची जाए। वर्षों बाद, सिविल सेवाओं की अधिकतर आन्तरिक जवाबदेही का जोर तत्कालीन राजनीतिक नेताओं के पक्ष में अधिक झुका दिखाई देता है, जिनसे, बदले में, निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से व्यापक समाज के प्रति बाहय रूप से जवाबदेह होने की अपेक्षा की जाती है। समाज के प्रति जवाबदेही लाने के प्रयास करने की इस प्रणाली से कोई समाधान प्राप्त नहीं हुआ है और इससे शासन के लिए अनेक प्रतिकूल परिणाम सामने आए हैं।

सिविल सेवाओं में जवाबदेही के सुधार के लिए कुछ विशेष उपायों पर विचार किया जा सकता है। अनुच्छेद 311 और 312 के उपबन्धों का पुनरीक्षण किया जाना चाहिए और सिविल सेवाओं की बाहय जवाबदेही के लिए विधि एवं विनियम बनाए जाने चाहिए। प्रस्तावित सिविल सेवा विधेयक इनमें से कुछ आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करता है। वृत्तिक) प्रोफेशनल (सिविल सेवाओं और राजनीतिक कार्यपालिका की अपनी-अपनी भूमिकाएँ परिभाषित की जानी चाहिए ताकि वृत्तिक प्रबन्धकीय कार्य और सिविल सेवाओं के प्रबन्धन का अराजनीतिकरण हो सके। इस प्रयोजन के लिए, केन्द्र और राज्यों में प्रभावी सांविधिक सिविल सेवा बोर्ड बनाए जाने चाहिए। शासन और निर्णयन को लोगों के अधिक समीप लाने हेतु सत्ता का विकेन्द्रीकरण और अवक्रमण) डीवेल्यूएशन (भी जवाबदेही के संवर्धन में सहायक होता है।

32. परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में कौन-से कारक/कारकों के कारण शासन/लोक प्रशासन के लिए प्रतिकूल परिणाम सामने आए हैं?

1. आन्तरिक एवं बाहय जवाबदेहियों के बीच सन्तुलन बनाने में सिविल सेवाओं की अक्षमता।
2. अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए पर्याप्त वृत्तिक प्रशिक्षण का अभाव।
3. सिविल सेवाओं में उपयुक्त सेवा हितलाभों की कमी।
4. इस सन्दर्भ में राजनीतिक कार्यपालिका के और उनकी तुलना में, वृत्तिक सिविल सेवाओं के अपनी-अपनी भूमिकाओं को परिभाषित करने वाले सांविधानिक उपबन्धों का अभाव।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) केवल 1 (b) 2 और 3

(c) 1 और 4 (d) 2,3 और 4

29. Passage

Accountability, or the lack of it in governance generally, and civil services, in particular, is a major factor underlying the deficiencies in governance and public administration. Designing an effective framework for accountability has been a key element of the reform agenda. A fundamental issue is whether civil services should be accountable to the political executive of the day or to society at large. In other words, how should internal and external accountability be reconciled? Internal accountability is sought to be achieved by internal performance monitoring, official supervision by bodies like the Central Vigilance Commission and Comptroller and Auditor General, and judicial review of executive decisions. Articles 311 and 312 of the Indian Constitution provide job security and safeguards to the civil services, especially the All India Services. The framers of the Constitution had envisaged that provision of these safeguards would result in a civil service that is not totally subservient to the political executive but will have the strength to function in larger public interest. The need to balance internal and external accountability is thus built into the Constitution. The issue is where to draw the line. Over the years, the emphasis seems to have tilted in favour of greater internal accountability of the civil services to the political leaders of the day who in turn are expected to be externally accountable to the society at large through the election process. This system for seeking accountability to Society has not worked out, and has led to several adverse consequences for governance

Some special measures can be considered for improving accountability in civil services. Provisions of articles 311 and 312 should be reviewed and laws and regulations framed to ensure external accountability of civil services. The proposed Civil Services Bill seeks to address some of these requirements. The respective roles of professional civil services and the political executive should he defined so that professional managerial functions and management of civil services are depoliticized. For this purpose, effective statutory civil service boards should be created at the centre and in the states. Decentralization and devolution of authority to bring government and decision making closer to the people also helps to enhance accountability.

32. According to the passage, which of the following factor/ factors led to the adverse consequences for governance / public administration ?

1. Inability of civil services to strike a balance between internal and external accountabilities
2. Lack of sufficient professional training to the officers of All India Services
3. Lack of proper service benefits in civil services
4. Lack of Constitutional provisions to define the respective roles of professional civil services vis-a-vis political executive in this context

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 2 and 3 only

(c) 1 and 4 only (d) 2, 3 and 4

33. परिच्छेद का सन्दर्भ लेते हुए निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं ।

1. समाज के प्रति सिविल सेवाओं की जवाबदेही में राजनीतिक कार्यपालिका एक अवरोध है।
2. भारतीय राजनीति व्यवस्था के वर्तमान ढाँचे में राजनीतिक कार्यपालिका । समाज के प्रति जवाबदेह नहीं रह गई है।

इन पूर्वधारणाओं में कौन-सी वैध है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

34. निम्नलिखित में कौन-सा एक, इस परिच्छेद में अन्तर्निहित अनिवार्य । सन्देश है?

(a) सिविल सेवाएं उस समाज के प्रति जवाबदेही नहीं हैं जिसकी सेवा वे कर रही है
)b) शिक्षित तथा प्रबुद्ध व्यक्ति राजनीतिक नेतृत्व नहीं ले रहे हैं
(c) संविधान निर्माताओं ने सिविल सेवाओं के समक्ष आने वाली समस्याओं का विचार नहीं किया
)d) सिविल सेवाओं की जवाबदेही में संवर्धन हेतु सुधारों की आवश्यकता और. गुंजाइश है

35. परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में कौन-सा एक, सिविल सेवाओं की आन्तरिक जवाबदेही के संवर्धन का साधन नहीं है?

(a) बेहतर कार्य-सुरक्षा और रक्षोपाय
(b) केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निरीक्षण
(c) अधिशासी निर्णयों का न्यायिक पुनर्विलोकन
(d) निर्णयन प्रक्रिया में लोगों की बढ़ी हुई सहभागिता द्वारा जवाबदेही खोजना।

33. With reference to the passage, the following assumptions have been made :

1. Political executive is an obstacle to the accountability Of the civil services to the society
2. In the present framework of Indian polity, the political executive is no longer accountable to the society

Which of these assumptions is/are valid ?

(a) 1 only (b) 2 only
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

34. Which one of the following is the essential message implied by this passage?

(a) Civil services are not accountable to the society they Are serving
(b) Educated and enlightened persons are not taking up political leadership
(C) The framers of the Constitution did not envisage the problems being encountered by the civil services
(d) There is a need and scope for reforms to improve the accountability of civil services

35. According to the passage, which one of the following is not a means of enhancing internal accountability of civil services?

(a) Better job security and safeguards
(b) Supervision by Central Vigilance Commission
(c) Judicial review of executive decisions
(d) Seeking accountability through enhanced participation by people in decision making process

30. परिच्छेद

सामान्य रूप में, धार्मिक परम्पराएँ ईश्वर के या किसी सार्वभौम नैतिक सिद्धान्त के प्रति हमारे कर्त्तव्य पर बल देती हैं। एक-दूसरे के प्रति हमारे कर्त्तव्य इन्हीं से व्युत्पन्न होते हैं। अधिकारों की धार्मिक संकल्पना मुख्यतः इस देवत्व या सिद्धान्त के साथ हमारे सम्बन्ध से और हमारे अन्य सम्बन्धों पर पड़ने वाले इसके निहितार्थ से ही व्युत्पन्न हुई है। अधिकारों और कर्तव्यों के बीच यह संगतता न्याय के किसी उच्चतर बोध के लिए महत्त्वपूर्ण है। किन्तु, न्याय को आचरण में लाने के लिए सद्गुण, अधिकार और कर्तव्य औपचारिक अमूर्त तत्त्व नहीं रह सकते। उन्हें सामान्य मिलन) कम्युनियन (के संवेदन से बँधे हुए समुदाय) सामान्य एकता (में उतारना परमावश्यक है। वैयक्तिक सद्गुण के रूप में भी यह एकात्मता, न्याय की साधना और बोध के लिए आवश्यक है।

36. परिच्छेद का सन्दर्भ लेते हुए, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं।

1. मानव सम्बन्ध उनकी धार्मिक परम्पराओं से व्युत्पन्न होते हैं।
2. मनुष्य कर्तव्यों से तभी बँधे हो सकते हैं जब वे ईश्वर में विश्वास करें।
3. न्याय की साधना और बोध के लिए धार्मिक परम्पराएँ आवश्यक हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1,2 और 3

37. निम्नलिखित में कौन-सा एक, इस परिच्छेद का मर्म है?

(a) एक-दूसरे के प्रति हमारे कर्त्तव्य हमारी धार्मिक परम्पराओं से व्युत्पन्न होते हैं
(b) दिव्य सिद्धान्त से सम्बन्ध रखना महान सद्गुण है।
(c) अधिकारों और कर्तव्यों के बीच सन्तुलन समाज में न्याय दिलाने के लिए निर्णायक है
(d) अधिकारों की धार्मिक संकल्पना मुख्यतः ईश्वर के साथ हमारे सम्बन्ध से व्युत्पन्न हुई है

38. आप कार्यालयाध्यक्ष हैं। कुछ मकान कार्यालय कर्मियों को आवंटित करने के लिए सुरक्षित रखे गए हैं और आपको इस मामले में विवेकाधिकार प्राप्त है। मकानों के आवंटन के लिए कुछ नियम आपके द्वारा बनाए गए हैं और उन्हें सार्वजनिक कर दिया गया है। आपका बहुत निजी सचिव जो आपके बहुत निकट है, आपके पास आता है और पैरवी करता है कि उसके पिता गम्भीर रूप से बीमार हैं, अत :उसे मकान के आवंटन में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कार्यालय सचिवालय नियमानुसार इस प्रार्थना का परीक्षण कर उसके अनुरोध को ठुकरा देता है और नियमानुसार प्रक्रिया अपनाने की संस्तुति करता है। आप अपने निजी सचिव को नाराज नहीं करना चाहते। इन परिस्थितियों में, आप क्या करेंगे?

(a) उसे अपने कमरे में बुलाएँगे और व्यक्तिगत रूप से स्पष्ट करेंगे कि आवंटन क्यों नहीं किया जा सकता
(b) उसकी वफादारी जीतने के लिए उसे मकान आवंटित कर देंगे
(c) यह सिद्ध करने के लिए कि आप निष्पक्ष हैं और आप किसी के साथ पक्षपात नहीं करते, कार्यालय टिप्पणी से सहमति व्यक्त करेंगे।
(d) फाइल अपने पास पड़ी रहने देंगे और कोई आदेश नहीं देंगे

30. Passage

In general, religious traditions stress our duty to god, or to some universal ethical principle. Our duties to one another derive from these. The religious concept of rights is primarily derived from our relationship to this divinity or principle and the implication it has on our other relationships. This correspondence between rights and duties is critical to any further understanding of justice. But, for justice to be practiced; virtue, rights and duties cannot remain formal abstraction. They must be grounded in a community (common unity) bound together by a sense of common union (communion). Even as a personal virtue, this solidarity is essential to the practice and understanding of justice.

36. With reference to the passage, the following assumptions have been made :

1. Human relationships are derived from their religious traditions
2. Human beings can be duty bound only if they believe in god
3. Religious traditions are essential to practice and understand justice

Which of these assumption(s) is/are valid ?

(a) 1 only (b) 2 and 3 only
(c) 1 and 3 only (d) 1, 2 and 3

37. Which one of the following is the crux of this passage?

(a) Our duties to one another derive from our religious traditions
(b) Having relationship to the divine principle is a great virtue
(C) Balance between rights and duties is crucial to the delivery of justice in a society
(d) Religious concept of rights is primarily derived from our relationship to god

38. You are the head of your office. There are certain houses reserved for the allotment to the office staff and you have been given the discretion to do so. A set of rules for the allotment of the houses has been laid down by you and has been made public. Your personal secretary, who is very close to you, comes to you and pleads that as his father is seriously ill, he should be given priority in allotment of a house. The office secretariat that examined the request as per the rules turns down the request and recommends the procedure to be followed according to the rules. You do not want to annoy your personal secretary. In such circumstances, what would you do?

(a) Call him over to your room and personally explain why the allotment cannot be done.
(b) Allot the house to him to win his loyalty.
(c) Agree with the office note to show that you are not biased and that you do riot indulge in favouritism.
(d) Keep the file with you and not pass any orders.

39. दिल्ली में पंजीकृत व्यावसायिक टैक्सी से) दूसरे राज्य के (करीबी शहर की ओर जाते हुए, आपका टैक्सी चालक आपको बताता है कि चूंकि उसके पास उस शहर में टैक्सी चलाने का परमिट नहीं है अत :वह उसके परिवहन कार्यालय पर रुकेगा और चालीस रुपए प्रतिदिन का निर्धारित शुल्क अदा करेगा। काउण्टर पर शुल्क अदा करते समय आप पाते हैं कि परिवहन लिपक पचास रुपये अतिरिक्त वसूल रहा है जिसके लिए कोई रसीद नहीं दी जा रही है। आप अपनी बैठक के लिए जल्दी में हैं। इन परिस्थितियों में, आप क्या करेंगे?

(a) काउण्टर पर जाएँगे और लिपिक से वह धन वापस माँगेंगे जो उसने अवैध रूप से लिया है
(b) कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे क्योंकि यह मामला टैक्सी चालक और कर अधिकारियों के बीच का है
(c) घटना का संज्ञान लेंगे और बाद में सम्बन्धित अधिकारियों से इसकी रिपोर्ट करेंगे
(d) इसे एक साधारण मामला समझेंगे और भूल जाएँगे

40. एक व्यक्ति दूर-दराज के एक गाँव में रहता है जहाँ पहुँचने के लिए बस से लगभग दो घण्टे लगते हैं। इस ग्रामीण का पडोसी बहत ताकतवर भूस्वामी है जो इस गरीब ग्रामीण की जमीन जबर्दस्ती हथियाना चाहता है। आप जिला मजिस्ट्रेट हैं और स्थानीय मन्त्री द्वारा बलाई गई बैठक में व्यस्त हैं। ग्रामीण बस से और पैदल चलकर इतनी दूर से आपसे मिलने और उस ताकतवर भूस्वामी जमींदार से सुरक्षा हासिल कराने के लिए प्रार्थना-पत्र देने आया है। ग्रामीण सभा कक्षा के बाहर एक घण्टे तक प्रतीक्षा करता रहा। आप बैठक से बाहर आते हैं और दूसरी बैठक के लिए जाने की शीघ्रता में हैं। ग्रामीण अपना प्रार्थना-पत्र देने के लिए आपके पीछे आने लगता है। आप क्या करेंगे?

(a) उसे अगली बैठक से आपके लौटने तक दो घण्टे और प्रतीक्षा करने के लिए कहेंगे
(b) उसे बताएंगे कि मामला वास्तव में एक कनिष्ठ अधिकारी द्वारा देखा जाना
(c) अपने एक वरिष्ठ मातहत अधिकारी को बुलाकर निर्देश देंगे कि वह ग्रामीण की समस्या का हल निकाले
(d) उसका प्रार्थना-पत्र तेजी से लेकर उसे कुछ प्रासंगिक प्रश्न उसकी समस्या के बारे में पूछेगे और बैठक के लिए चले जाएंगे

39. While travelling in a Delhi-registered commercial taxi from Delhi to an adjacent city (another State), your taxi driver informs you that as he has no permit for running the taxi in that city, he will stop at its Transport Office and pay the prescribed fee of forty for a day. While paying the fee at the counter you find that the transport clerk is taking an extra fifty rupees for which no receipt is being given. You are in a hurry for your meeting. In such circumstances, what would you do?

(a) Go up to the counter and ask the clerk to give back the money which he has illegally taken.
(b) Do not interfere at all as this is a matter between the taxi driver and the tax authorities.
(c) Take note of the incident and subsequently report the matter to the concerned authorities.
(d) Treat it as a normal affair and simply forget about it.

40. A person lives in a far off village which is almost two hours by bus. The villager's neighbour is a very powerful landlord who is trying to occupy the poor villager's land by force. You are the District Magistrate and busy in a meeting called by a local Minister. The villager has come all the way, by bus and on foot, to see you and give an application seeking protection from the powerful landlord. The villager keeps on waiting outside the meeting hall for an hour. You come out of the meeting and are rushing to another meeting. The villager follows you to submit his application. What would you do?

(a) Tell him to wait for another two hours till you come back from your next meeting.
(b) Tell him that the matter is actually to be dealt by a junior officer and that he should give the application to him.
(c) Call one of your senior subordinate officers and ask him to solve the villager's problem.
(d) Quickly take the application from him, ask him a few relevant questions regarding his problem and then proceed to the meeting

41. जिस जिले में आप जिला मजिस्ट्रेट हैं वहाँ चीनी की किल्लत है। सरकार ने आदेश निकाला है कि वैवाहिक उत्सवों पर अधिकतम 30 किग्रा चीनी जारी की जा सकती है। आपके एक करीबी दोस्त के बेटे का विवाह होने वाला है। और आपका मित्र अपने बेटे के विवाह के लिए कम-से-कम 50 किग्रा चीनी जारी करने का अनुरोध करता है। जब आप इस मामले में सरकारी नियन्त्रण के बारे में बताते हैं तो वह नाराज हो जाता हैं। उसका विश्वास है। कि चूंकि आप जिला मजिस्ट्रेट हैं आप कितनी भी मात्रा में चीनी जारी कर सकते हैं। आप उससे मित्रता में बिगाड़ नहीं चाहते। र परिस्थितियों में, आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

(a) उसे अतिरिक्त मात्रा में चीनी जारी कर देंगे जिसके लिए आपके मित्र ने अनुरोध किया है
(b) अपने मित्र को अतिरिक्त मात्रा में चीनी जारी न करके नियमों का सख्ती से पालन करेंगे।
(c) अपने मित्र को सरकारी आदेशों की प्रति दिखलाएंगे और उसे नियमानुसार चीनी की कम मात्रा स्वीकार करने के लिए तैयार करेंगे
(d) उसे आवंटन करने वाले अधिकारी को सीधे प्रार्थना-पत्र देने की सलाह देंगे और सूचित करेंगे कि आप ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते।

42. आप एक ऐसे क्षेत्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू करने के प्रभारी हैं, जहाँ वर्तमान नीति का कड़ा विरोध हो रहा है। आप निवासियों को छोटे परिवार रखने की आवश्यकता मनवाना चाहते हैं। इस सन्देश को सम्प्रेषित करने का सर्वोत्तम तरीका क्या होगा?

(a) निवासियों को स्वास्थ्य और जीवन स्तर सुधारने हेतु परिवार नियोजन की आवश्यकता तर्कसंगत रूप से समझाना ।
(b) देर से विवाह एवं बच्चों के बीच उचित अन्तर को प्रोत्साहित करना
(c) परिवार नियोजन युक्तियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना
(d) ऐसे लोगों से, जिनका बन्ध्याकरण हो चुका है अथवा जो गर्भ-निरोधक प्रयोग कर रहे हैं, निवासियों से प्रत्यक्षतः बात करने का आग्रह करना

43. आप एक विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं और एक विषय विशेष पर प्रश्न-पत्र बना रहे हैं। आपके सहकर्मियों में से एक, जिसका पुत्र उसी विषय पर परीक्षा की तैयारी का रहा है, आपके पास आता है और आपको सूचना देता है कि यह उसके पत्र का परीक्षा को उत्तीर्ण करने का आखिरी अवसर है और आपसे, परीक्षा में आने वाले प्रश्नों के संकेत देकर पुत्र की सहायता करने हेतु आग्रह करता है। अतीत में आपके उस सहकर्मी ने दूसरे मामले में आपकी सहायता की है। आपका सहकर्मी आपको सूचित करता है कि परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उसका पुत्र अवसाद से ग्रस्त हो जाएगा। इन परिस्थितियों में, आप क्या करेंगे?

(a) अतीत में उसके द्वारा दी गई सहायता को देखते हुए आप उसकी सहायता करेंगे
(b) खेद व्यक्त करेंगे कि आप उसकी कोई सहायता नहीं कर सकते
(c) अपने सहकर्मी को आप समझाएँगे कि ऐसा करने से विश्वविद्यालय के अधिकारियों का विश्वास भंग होगा और आप उसकी सहायता करने की स्थिति में नहीं है
(d) उच्चाधिकारियों को अपने सहकर्मी के आचार की शिकायत करेंगे

41. There is a shortage of sugar in your District where you are the District Magistrate. The Government has ordered that only a maximum amount of 30 kg sugar is to be released for wedding celebrations. A son of your close friend is getting married and your friend requests you to release at least 50 kg sugar for his son's wedding. He expresses annoyance when you tell him about the Government's restrictions on this matter. He feels that since you are the District Magistrate you can release any amount. You do not want to spoil your friendship with him. In such circumstances, how would you deal with the situation ?

(a) Release the extra amount of sugar which your friend has requested for.
(b) Refuse your friend the extra amount and strictly follow the rules.
(c) Show your friend the copy of the Government instructions and then persuade him to accept the lower amount as prescribed in the rules.
(d) Advise him to directly apply to the allotting authority and inform him that you do not interfere in this matter.

42. You are in-charge of implementing the Family Planning programme in an area where there is a strong opposition to the present policy. You want to convince the residents of the need for keeping small families. What would be the best way of communicating this message?

(a) By logically explaining to the residents the need for family planning to improve the health and living standards.
(b) By encouraging late marriages and proper spacing of children.
(C) By offering incentives for adopting family planning devices.
(d) By asking people who have been sterilized or are using contraceptives to directly talk to the residents.

43. You are a teacher in a University and are setting a question paper on a particular subject. One of your colleagues, whose son is preparing for the examination on that subject, comes to you and informs you that it is his son's last chance to pass that examination and whether you could help him by indicating what questions are going to be in the examination. In the past, your colleague had helped you in another matter. Your colleague informs you that his son will suffer from depression if he fails in this examination. In such circumstances, what would you do?

(a) In view of the help he had given you, extend your help to him.
(b) Regret that you cannot be of any help to him.
(c) Explain to your colleague that this would be violating the trust of the University authorities and you are not in a position to help him.
(d) Report the conduct of your colleague to the higher authorities

44. अपने अधीनस्थ द्वारा तैयार किए गए अन्तिम प्रतिवेदन के सम्बन्ध में, जिसे अतिशीघ्र प्रस्तुत किया जाना है, आपके अभिमत भिन्न हैं। आपका अधीनस्थ प्रतिवेदन में दी गई सूचना को उचित ठहरा रहा है। आप क्या करेंगे?

(a) अपने अधीनस्थ से स्वीकार कराएंगे कि वह गलत है।
(b) उसको परिणामों पर पुनर्विचार करने हेतु कहेंगे
(d) प्रतिवेदन में आप स्वयं संशोधन कर लेंगे
(d) अधीनस्थ को कहेंगे कि अपनी गलती को उचित न ठहराए.

45. एक प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए, जिसका निर्धारण एक मौखिक प्रस्तुतीकरण के आधार पर होना है, आप अपने ही बैच के किसी सहकर्मी) बैच-मेट (के साथ प्रतियोगिता कर रहे हैं। प्रत्येक प्रस्तुतीकरण के लिए दस मिनट का समय रखा गया है। समिति ने आपको प्रस्तुतीकरण को ठीक समय से समाप्त करने को कहा है, जबकि, आपके मित्र को अनुबद्ध समयावधि से अधिक समय दिया जाता है। आप क्या करेंगे? ।

(a) इस भेद-भाव के लिए अध्यक्ष के पास एक शिकायत दर्ज कराएँगे
(b) समिति द्वारा दिए गए किसी भी औचित्य को नहीं सुनेंगे
(c) अपना नाम प्रतियोगिता से वापस लेने की माँग करेंगे
(d) विरोध करते हुए उस स्थान को छोड़ देंगे

46. आप एक समयबद्ध परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। परियोजना की पुनरीक्षण बैठक के दौरान आप पाते हैं कि आपके समूह के सदस्यों की ओर से सहयोग में कमी होने के कारण परियोजना विलम्बित हो सकती है। आप क्या करेंगे?

(a) अपने समूह के सदस्यों को उनके असहयोग के लिए चेतावनी देंगे
(b) असहयोग के कारणों की जांच पड़ताल करेंगे
(c) समूह के सदस्यों को प्रतिस्थापित करने की मांग करेंगे।
(d) कारण प्रस्तुत करते हुए समय सीमा बढ़ाने की मांग करेंगे

47. आप एक राज्य क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष हैं। आपको एक शिकायत मिली है और बाद में यह पाया गया है कि कनिष्ठ आयु वर्ग के किसी पदक जीतने वाले एथलीट की आयु, आयु के दिए मानदण्ड से पाँच दिन अधिक हो गई है। आप क्या करेंगे?

(a) छानबीन समिति से स्पष्टीकरण देने को कहेंगे
(b) एथलीट से पदक वापस करने को कहेंगे
(c) एथलीट को अपनी आयु की घोषणा करते हुए न्यायालय से शपथ-पत्र लाने को कहेंगे
(d) क्रीडा समिति के सदस्यों से उनकी राय माँगेंगे

44. You have differences of opinion regarding the final report prepared by your subordinate that is to be submitted, urgently. The subordinate is justifying the information given in the report. You would...

(a) Convince the subordinate that he is wrong.
(b) Tell him to reconsider the results.
(c) Revise the report on your own.
(d) Tell him not to justify the mistake.

45. You are competing with your batch-mate for a prestigious award to be decided based on an oral presentation. Ten minutes are allowed for each presentation. You have been asked by the committee to finish on time. Your friend, however, is allowed more than the stipulated time period. You would...

(a) Lodge a complaint to the chairperson against the discrimination.
(b) Not listen to any justification from the committee.
(c) Ask for withdrawal of your name.
(d) Protest and leave the place.

46. You are handling a time-bound project. During the project review meeting, you find that the project is likely to get delayed due to lack of cooperation of the team members. You would..

(a) Warn the team members for their non cooperation.
(b) Look into reasons for non-cooperation.
(c) Ask for the replacement of team members.
(d) Ask for extension of time citing reasons..

47. You are the chairperson of a state sports committee. You have received a complaint and later it was found that an athlete in the junior age category who has won a medal has crossed the age criteria by 5 days. You would...

(a) Ask the screening committee for a clarification.
(b) Ask the athlete to return the medal.
(c) Ask the athlete to get an affidavit from the court declaring his / her age.
(d) Ask the members of the sports committee for their views.

48. आप एक प्राथमिक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं और सभी अन्तिम तिथियों को पूरी तरह निभा रहे हैं और इस आधार पर परियोजना के दौरान अवकाश लेने की योजना बना रहे हैं। आपका आसन्न अधिकारी परियोजना की अविलम्ब बताकर आपके अवकाश को अनुमोदित नहीं करता है। आप क्या करेंगे?

(a) मंजूरी की प्रतीक्षा किए बिना अवकाश पर चले जाएँगे
(b) बीमारी का बहाना बनाकर अवकाश पर चले जाएंगे
(c) अवकाश के आवेदन पर पुनर्विचार करने हेतु उच्चतर अधिकारी से बात करेंगे
(d) आसन्न अधिकारी को बताएँगे कि यह न्यायसंगत नहीं है

49. आप सुदूर क्षेत्र में एक जलापूर्ति परियोजना स्थापित करने हेत कार्य कर रहे हैं। किसी भी हालत में परियोजना की पूरी लागत वसूल कर पाना असम्भव है। उस क्षेत्र में आय का स्तर बहुत नीचा है और 25% जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे है। जलापूर्ति की कीमत निर्धारण का निर्णय लेते समय आप क्या करेंगे?

(a) यह अनुशंसा करेंगे कि पूरी तरह जलापूर्ति निःशुल्क हो
(b) यह अनुशंसा करेंगे कि सभी प्रयोगकर्ता नल लगाने हेतु एक बार तय एक मुश्त राशि का भुगतान करें और पानी का उपयोग निःशुल्क हो ।
(c) यह अनुशंसा करेंगे कि गरीबी रेखा से ऊपर के परिवारों के लिए एक तय मासिक शुल्क लगाया जाए और गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों हेतु जलापूर्ति निःशुल्क हो
(d) यह अनुशंसा करेंगे कि प्रयोगकर्ता जल के उपभोग पर आधारित शुल्क का भुगतान करें जिसमें गरीबी रेखा से ऊपर तथा नीचे के परिवारों हेतु विभेदीकृत शुल्क निश्चित किया जाए

50. एक नागरिक के रूप में आपको एक सरकारी विभाग से कुछ काम है। सम्बद्ध अधिकारी आपको बार-बार बुलाता है और आपसे प्रत्यक्षतः बिना कुछ कहे रिश्वत देने के इशारे करता है। आप अपना कार्य कराना चाहते हैं। आप क्या करेंगे?

(a) रिश्वत दे देंगे
(b) ऐसा व्यवहार करेंगे मानो आप उसके इशारे नहीं समझ रहे हैं और अपने आवेदन पर डटे रहेंगे
(c) रिश्वत के इशारों के सम्बन्ध में मौखिक शिकायत के साथ उच्चतर अधिकारी के पास सहायता के लिए जाएँगे
(d) एक औपचारिक शिकायत भेजेंगे

48. You are handling a priority project and have been meeting all the deadlines and are therefore planning your leave during the project. Your immediate boss does not grant your leave citing the urgency of the project. You would...

(a) Proceed on leave without waiting for the sanction.
(b) Pretend to be sick and take leave.
(c) Approach higher authority to reconsider the leave application.
(d) Tell the boss that it is not justified.

49. You are involved in setting up a water supply project in a remote area. Full recovery of cost is impossible in any case. The income levels in the area are low and 25% of the population is below poverty line (BPL). When a decision has to be taken on pricing you would..

(a) Recommend that the supply of water be free of charge in all respects.
(b) Recommend that the users pay a one time fixed sum for the installation of taps and the usage of water be free.
(C) Recommend that a fixed monthly charge be levied only on the non-BPL families and for BPL families water should be free.
(d) Recommend that the users pay a charge based on the consumption of water with differentiated charges for non-BPL and BPL families.

50. As a citizen you have some work with a government department. The official calls you again and again; and without directly asking you, sends out feelers for a bribe. You want to get your work done. You would...

(a) Give a bribe.
(b) Behave as if you have not understood the feelers and persist with your application.
(c) Go to the higher officer for help verbally complaining about feelers.
(d) Send in a formal complaint.